02-07-18 की मुरली से

Do's & Don'ts

1. मीठे बच्चे - बाप का राइट हैण्ड बनकर रहना है।

2. सर्विस का शौक रख श्रीमत पर पूरा-पूरा अटेन्शन देना है।

3. अखबारों में कोई सर्विस की बात निकले तो उसे पढ़कर सर्विस में लग जाना है।

4. मुख से सदैव रत्न निकलने चाहिए, पत्थर नहीं।

5. श्रीमत पर श्रेष्ठाचारी बनकर श्रेष्ठाचारी बनाने की सेवा करनी है।

6. बेहद की गुह्य पढ़ाई को विस्तार से सुनते उसे सार में समाकर दूसरों की सेवा करनी है।

7. श्रीमत पर पूरा अटेन्शन देना है।

02-07-18 की मुरली से
प्रश्नोत्तरी

प्रश्न 1- बाप का नाम तुम बच्चे कब बाला कर सकेंगे?
उत्तर - जब तुम्हारी चलन बड़ी रॉयल और गम्भीर होगी।

प्रश्न 2- कौन-सी दो शक्तियां साथ हो तो कोई भी कारण हिला नहीं सकता?
उत्तर - सत्यता और निर्भयता की शक्ति।

प्रश्न 3- नाम बदनाम कौन करते हैं?
उत्तर - पत्थर निकालने वाले।

प्रश्न 4- किस बात का पूरा-पूरा ध्यान रखना है?
उत्तर - बाप का बनकर कोई भी विकर्म न हो।

प्रश्न 5- अब यह गीत तो रेडियो में भी बजते हैं कौन-सा।
उत्तर - छोड़ भी दे आकाश सिंहासन...

प्रश्न 6- बाबा ने राइटहैण्ड किसको बनाया है?
उत्तर - माताओं को।

प्रश्न 7- कौन से दो पॉइंट पर मुरली आधारित है?
उत्तर - भ्रष्टाचार और श्रेष्ठाचार।

प्रश्न 8- भ्रष्टाचारी किसको कैसे बुलाते हैं?
उत्तर - भगवान को बुलाते हैं,
हे भगवान्, आओ, आकर श्रेष्ठाचारी बनाओ।

प्रश्न 9- भगवान को कौन नहीं बुलाते?
उत्तर -श्रेष्ठाचारी कब बुलाते नहीं।

प्रश्न 10- अखबारों में क्या पड़ता है?
उत्तर - कई संस्थायें हैं जो भ्रष्टाचार को बंद करने का पुरुषार्थ करती हैं।

प्रश्न 11- अभी तुम क्या लिख सकते हो?
उत्तर - तुम लिख सकते हो कि यथा राजा-रानी तथा प्रजा सतयुग में श्रेष्ठाचारी थे, वाइसलेस वर्ल्ड थी। बाद में फिर कलायें कम होती हैं।

प्रश्न 12- बाप कब आते हैं?
उत्तर - बाप कहते हैं जब-जब अति भ्रष्टाचार होता है तब मैं आता हूँ।

प्रश्न 13- माया पर जीत पहनो तो तुम क्या बनेंगे?
उत्तर - प्रिन्स-प्रिन्सेज बनेंगे।

प्रश्न 14- बाप कहते हैं कि मैं सबको आकर क्या बनाता हूँ?
उत्तर - श्रेष्ठाचारी बनाता हूँ।

प्रश्न 15- जो भागन्ती होते हैं वे क्या बनते हैं?
उत्तर - वे तो प्रजा में चण्डाल बनते हैं।

प्रश्न 16- जो यहाँ रहकर विकर्म आदि करते हैं वे क्या बनते हैं?
उत्तर - वे रॉयल घराने के चण्डाल बनते हैं। फिर भी पिछाड़ी में उनको ताज पतलून मिल जाती है क्योंकि यहाँ गोद तो लेते हैं ना, इसलिए चण्डिका देवी की पूजा होती है।

प्रश्न 17- अखबार में सर्विस समाचार कैसे डालना है?
उत्तर - बाप ने जो विस्तार में समझाया उसको सार में लाकर 5 मिनट का भाषण बनाए अखबार में डालना चाहिए।

प्रश्न 18- तुम शक्तियों की चलन कैसी होनी चाहिए?
उत्तर - ऐसी गम्भीर होनी चाहिए जैसे डेल (मोरनी) चलती है। मुख से रत्न निकलते रहें, पत्थर नहीं। वह तो पत्थर मारेंगे। तुम कभी पत्थर नहीं मारो। नाम बदनाम न करो।

प्रश्न 19- सतयुग में कैसे अक्षर नहीं निकलेंगे।
उत्तर - अच्छा, बुरा, पाप आत्मा अक्षर नहीं निकलेगा।

प्रश्न 20- पुरुषार्थ कैसा करना है?
उत्तर - हम निरन्तर याद करते रहें।

प्रश्न 21- कौन सा अक्षर भक्तिमार्ग का है।
उत्तर - सिमरण

प्रश्न 22- प्रवृत्ति मार्ग का अक्षर कौन सा है?
उत्तर - 'याद'। बहुत मीठा भी है। हम बाबा को याद करते हैं।

प्रश्न 23- तुम ब्राह्मणों बिगर कोई भी किसको नहीं जानते?
उत्तर - पुरुषोत्तम संगमयुग को।

प्रश्न 24- कोई अनुभव पूछे तो क्या सुनाओ?
उत्तर - बेहद का बाप बेहद की बादशाही देने वाला मिला और क्या अनुभव सुनाऊं। और कोई बात ही नहीं। इस जैसी खुशी और कोई होती ही नहीं।

वरदान - समय की रफ्तार प्रमाण सर्व प्राप्तियों से भरपूर रह मायाजीत बनने वाले तीव्र पुरुषार्थी भव

👉 बापदादा ने जो भी प्राप्तियां कराई हैं, उन सर्व प्राप्तियों को स्वयं में जमा कर भरपूर रहो, कोई भी कमी न रहे।

👉 जहाँ भरपूरता में कमी है वहाँ माया हिलाती है।

👉 मायाजीत बनने का सहज साधन है - सदा प्राप्तियों से भरपूर रहना।

👉 कोई एक भी प्राप्ति से वंचित नहीं रहो, सर्व प्राप्ति हों।

👉 समय की रफ्तार प्रमाण कोई भी समय कुछ भी हो सकता है इसलिए तीव्र पुरुषार्थी बन अभी से भरपूर बनो।

👉 अब नहीं तो कभी नहीं।

ओम शान्ति